हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 22 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

तीन ओव्हरलोड रेत हाईवा डंफरों से 68 हजार जुर्माना वसूला

अंजनिया। पुलिस अधीक्षक मण्डला के निर्देशन में पुलिस चौकी टाटरी द्वारा तीन रेत ओव्हर लोड हाईवा डंफरों पर कार्यवाही करते हुए 68 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया है। बताया जाता है कि हाईवा क्रमांक सीजी 04 पीसी 1679 से 29000 रुपये, एमपी 50 एच 1435 से 21000 रुपये, एमपी 50 एच 1271 से 18000 रुपये कुल 68000 रुपये जुर्माना वसूल किया गया है। कार्यवाही में चौकी प्रभारी विकास सिंह तोमर, एएसआई लखन कटरे, प्रधान आरक्षक अवधेश तिवारी, आरक्षक मोहित पटले शामिल रहे।

ब्लॉक कांग्रेस ने मनाई स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि

निवास। निवास ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा आधुनिक भारत के निर्माता, सूचना प्रौद्योगिकी के जनक भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि मनायी गईं। उक्त कार्यक्रम में निवास विधानसभा के लाड़ले विधायक चैन सिंह वरकड़े, ब्लॉक अध्यक्ष संजय जायसवाल, कैलाश साहू, मंडलम अध्यक्ष हितेन्द्र गोश्वामी, सुशांत तिवारी, गोलू रजक, विवेक साहू, फरीद खान, यशवंत तेकाम, लल्लू कछवाहा, आदि कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुये।

वर्षों बाद भी नहीं हो सका स्कूल भवन का मरम्मत कार्य

खुला छप्पर, खतरों को आमंत्रण

*** असामाजिक तत्वों के प्रवेश की आशंका।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला मुख्यालय में स्थित शासकीय रानी अवंतीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जो कि अपने आप में जिले का सबसे प्राचीन विद्यालय है। जानकारी अनुसार यह स्कूल भवन सन् 1882 का है इसमें लगभग 1928 से कक्षाएं संचालित हो रहीं हैं, जो आज भी उस समय के सबसे पुराने भवनों में यहां की शाला प्रबंधन दल द्वारा मरम्मत कार्य में सूझबूझ के चलते आज भी यह भवन किसी नये भवनों से कम नहीं दिखाई देता। चाहे हम बात करें भवन के रंग रोगन, बच्चों की बैठने की व्यवस्था, कम्प्यूटर कक्ष आदि की सभी यहां व्यवस्थित नजर आयेंगे।

ये है मामला -

शासकीय रानी अवंतीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विद्यालय मे लगभग 1100 के आसपास छात्राएं अध्ययन कर रही हैं, छात्राओं की अधिक दर्ज संख्या होने के कारण अध्यापन कार्य के लिए बैठक व्यवस्था में भारी परेशानी जा रही है। प्रबंधन द्वारा शाला परिसर में ही एक कक्ष जर्जर अवस्था में होने की स्थिति में उस कक्ष में मरम्मत कार्य हेतु विभागीय अधिकारियों से निवेदन करने पर उनके द्वारा मरम्मत कार्य की स्वीकृति देते हुए, यह कार्य नगरपालिका को दिया गया किन्तु नगरपालिका द्वारा मरम्मत कार्य तो प्रारंभ कर दिया और उस कक्ष का छप्पर खोलकर काम बंद कर दिया गया। ऐसी स्थिति वर्षो से बनी हुई है और नगरपालिका द्वारा मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं कराया जा रहा ।जबकि प्रबंधन द्वारा नगरपालिका सीएमओ से अनेकों बार मरम्मत कार्य पूरा करने को कहें जाने के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे आज वह कक्ष खण्डहर हालत में दिखाई दे रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार नगरपालिका द्वारा तत्कालीन कलेक्टर हर्षिका सिंह के आदेश का पालन करते हुए, कमरे की छप्पर आदि अलग तो कर दिया किन्तु लाभ दो साल होने को आये मरम्मत कार्य नही होना संदेह को जन्म देता है, की ऐसा कौनसा का कारण है कि नगरपालिका उक्त कमरे का मरम्मत कार्य नही करा रही, जिसका जबाब केवल नगरपालिका ही दे सकती है।

बहरहाल जो भी हो उक्त कमरे का मरम्मत कार्य होना आवश्यक है क्योंकि इस कमरे से खुल जाने और खण्डहर नुमा खड़ा रहने से कभी भी विद्यालय मे होनी-अनहोनी घटना से मुंह नही मोड़ा जा सकता, इस विद्यालय केवल छात्राएं अध्ययन करती हैं और इसी केंपस मे कन्या छात्रावास भी संचालित है, साथ ही इस क्षेत्र मे असामाजिक तत्वों का बोलबाला बना रहता है इन बातों मे विचार कर नगरपालिका प्रशासन द्वारा कमरे की मरम्मत जल्द से जल्द कराई जाये, साथ विद्यालय परिसर बाउंड्री वॉल होना आवश्यक है, क्योंकि बाउंड्री वॉल न होने से नर्मदा नदी की तरफ से असमाजिक तत्वों का स्कूल मे प्रवेश होने का डर बना रहता है। यहां कमरे का मरम्मत कार्य और बाउंड्री वॉल का निर्माण जल्द किया जाये। ताकि वहां अध्ययन रहीं बच्ची अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सके और विद्यालय मे जो चोरी आदि का भय बना रहता है उसमें भी सुरक्षा हो सके।

प्राप्त जानकारी अनुसार बर्ष 2023 मे विद्यालय मे बार्षिकोत्व मे मण्डला सांसद व केन्द्रीय मंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते द्वारा स्कूल के लिए मंच से स्कूल परिसर में कक्ष निर्माण एवं मंच बनवाने हेतु 50 लाख राशि की घोषणा की गयी, किन्तु विडम्बना यह की मंत्री द्वारा घोषित राशि निर्माण एजेंसी को आज दिनांक तक प्राप्त नही हुई?

इनका कहना है-

विद्यालय का कमरा मरम्मत कार्य कराने हेतु नगरपालिका द्वारा तोड़ दिया गया किन्तु लगभग दो साल से मरम्मत कार्य न होने के कारण कमरा खण्डहर होते जा रहा है, इस संबंध अनेकों बार नगरपालिका से बोला गया है किन्तु ध्यान नही दिया जा रहा। जिससे विद्यालय मे खतरा बना रहता है। साथ ही विद्यालय मे बाउंड्री वॉल नितांत आवश्यक है।

-जय लक्ष्मी सोनी, प्राचार्या शासकीय रानी अवंतीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मण्डला।

कमरे का मलवा आदि अलग कर दिया जल्द ही उसकी मरम्मत कराई जावेगी।

-गजानन नाफडे, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका मण्डला

स्टेडियम का होगा कायाकल्प-संपतिया उइके

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

डिस्ट्रिक क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में दिनांक 10 मई से 20मई तक दस दिवसीय क्रिकेट कैंप स्थानीय महात्मा गांधी मैदान स्टेडियम में समापन समारोह आयोजित हुआ। इसी दौरान प्रदेश की केबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने मंडला स्टेडियम का एक मास्टर प्लान के साथ कायाकल्प किया जाएगा। श्रीमती उइके ने डी सी ए मंडला द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कैंप की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से निश्चित ही मण्डला की खेल प्रतिभाओं को अवसर मिलते रहेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित जिलाध्यक्ष भाजपा एवम नगरपालिका अध्यक्ष के नेतृत्व में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्टेडियम के लिए जल्द ही कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारंभ हो इसमें धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम को नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा एवं भाजपा जिलाध्यक्ष भीष्म दिवेदी ने भी संबोधित किया। इस कैंप में जिले से एवं अन्य जिले के 75 बालक तथा 10 बालिका खिलाड़ी भाग ले रहे है। वरिष्ठ खिलाड़ी अजय मिश्रा एवं इम्तियाज अली ने बताया कि दस दिवसीय क्रिकेट कैंप में सभी आयु वर्ग के बालक/बालिका खिलाड़ी शामिल हुए हैं। शिविर को इंद्रदेव स्वामी रीवा, सुश्री शांति सिंह, शुचि उपाध्याय, बसंत ठाकुर सहित अनुभवी खिलाड़ी संचालित किया। अतिथिगणों ने कैंप में शामिल सभी खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन हेतु टी-शर्ट प्रदान की। कार्यक्रम में पार्षद जितेंद्र बर्वे, इम्तियाज अली, ज्ञानेंद्र झा सहित डीसीए सदसय एवं पालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निशांत झा ने किया।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की मनाई पुण्यतिथि

मण्डला। कल जिला कांग्रेस कमेटी मंडल द्वारा भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर लोकसभा चुनाव कार्यालय मण्डला में स्वर्गीय राजीव जी के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर निवास विधायक चैन सिंह बरकड़े ने स्वर्गीय राजीव गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राजीव जी का नाम इतिहास के पन्नों में एक दूरदर्शी नेता के रूप में अंकित है राजीव गांधी जी को विश्वास था कि भारत का भविष्य प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण उच्च उत्पादकता और सामाजिक न्याय के तीव्र विस्तार पर निर्भर है उन्होंने अपने प्रधानमंत्री काल में सातवीं पंचवर्षीय योजना में खाद्य उत्पादन रोजगार सृजन और उत्पादन वृद्धि को प्राथमिकता दी तदुपरांत जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के अध्यक्ष एडवोकेट राकेश तिवारी ने अपने विचार रखते हुए बताया कि राजीव गांधी ने कृषि के द्रुत से और समग्र विकास की समग्र विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए देते हुए अन्य इलाकों में हरित क्रांति लागू करने की आवश्यकता थी उन्होंने गरीबी शोषण तथा औपनिवेशिक दासता के अतीत के बोझ से मुक्त देश के रूप में भारत को 21वीं सदी में ले जाने का सपना संजोया था राजीव जी के कार्यकाल में ही देश में नई कंप्यूटर नीति लागू की गई जिसे बैंकों और मानवीय गतिविधियों के अनेक क्षेत्रों में उनके उपयोग को पर्याप्त प्रोत्साहन दिया कार्यक्रम के अंत में जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र राजपूत ने बताया कि राजीव गांधी जी का एक अन्य महत्वाकांक्षी और परिवर्तनशील कार्यक्रम था पंचायती राज पंचायती राज प्रणाली को संवैधानिक दर्जा प्रदान करके सत्ता के को विकेंद्रित करना मुख्य उद्देश्य था राजीव गांधी कुशासन और कार्यक्रम की असफलता की अत्यधिक आलोचना करते थे राजीव गांधी का युवाओं पर गहरा विश्वास था और उन्हें राष्ट्र निर्माण के कार्य में युवाओं से बड़ी आशाएं थीं भारतीय युवाओं में राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की भावना निभाने की के उद्देश्य से संविधान में संशोधन करके मतदान की आयु 21 से घटकर 18 वर्ष कर दी गई कार्यक्रम के समापन अवसर पर संगठन मंत्री सुकृति भूषण जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर महिला कांग्रेस अध्यक्ष शकुंन जंघेला मुकेश कछवाहा नूरेएन मंसूरी विनोद चौधरी, दीपेश बाजपेई, राधा गुप्ता रेशमा अल्वी, शील देवी झा किशन उईके नीलू शुक्ला अमर लाहौरी जावेद कुरैशी हमराज अख्तर, शब्बू भाईजान, दादी चौरसिया,रजनीश उसराठे एवं मीडिया विभाग से विवेक दुबे आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

जब तब जीव में अभिमान आता है तो भगवान उनसे दूर हो जाते हैं- संतोष शास्त्री

मण्डला। कोसमघाट के मां दुर्गा मंदिर रंगमंच में चल रही श्रीमद भागवत कथा के छठवें दिन की कथा में पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने कहा कि रास तो काम को बढ़ाने की नहीं काम पर विजय प्राप्त करने की कथा है। इस कथा में कामदेव ने भगवान पर खुले मैदान में अपने पूर्व सामथ्र्य के साथ आक्रमण किया है लेकिन वह भगवान को पराजित नहीं कर पाया उसे ही परास्त होना पड़ा है रास लीला में जीव का शंका करना या काम को देखना ही पाप है गोपी गीत पर बोलते हुए शास्त्री जी ने कहा जब तब जीव में अभिमान आता है भगवान उनसे दूर हो जाता है लेकिन जब कोई भगवान को न पाकर विरह में होता है तो श्रीकृष्ण उस पर अनुग्रह करते है उसे दर्शन देते हैं। शास्त्री जी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणि के साथ हुआ लेकिन रुक्मणि को श्रीकृष्ण द्वारा हरण कर विवाह किया गया। इस कथा में समझाया गया कि रुक्मणि स्वयं साक्षात लक्ष्मी है और वह नारायण से दूर रह ही नहीं सकती यदि जीव अपने धन अर्थात लक्ष्मी को भगवान के काम में लगाए तो ठीक नहीं तो फिर वह धन चोरी द्वारा, बीमारी द्वारा या अन्य मार्ग से हरण हो ही जाता है। धन को परमार्थ में लगाना चाहिए और जब कोई लक्ष्मी नारायण को पूजता है या उनकी सेवा करता है तो उन्हें भगवान की कृपा स्वतः ही प्राप्त हो जाती है। श्रीकृष्ण भगवान व रुक्मणि के अतिरिक्त अन्य विवाहों का भी वर्णन किया गया। शास्त्री जी द्वारा कथा के बीच भगवान श्रीकृष्ण के भक्तिमय संगीत को सुनकर पण्डाल में उपस्थित श्रद्धालु झूमते दिखाई दे रहे थे।

अनदेखी | **मार्किंग के बाहर खड़े हो रहे चौपहिया और दोपहिया वाहन।**

यातायात व्यवस्थित करने की थी मार्किंग

*** दुकानदारों को दी समझाईश नाकाफी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला मुख्यालय स्थित बाजार में पार्किंग स्थल ना होने के कारण यहां की यातायात व्यवस्था प्रतिदिन बिगड़ जाती है। चौबीस घंटे में किसी भी समय कहीं भी जाम लग जाता है। जिससे आवाजाही अवरूद्ध होती है, जिसके कारण आमजनों समेत इमरजेंसी वाहन को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन्हीं सब समस्याओं को देखते हुए विगत एक पखवाड़े पहले यातायात पुलिस और नपा मंडला द्वारा बाजार स्थल की यातायात व्यवस्था सुचारू करने के लिए मार्ग किनारे मार्किंग कराई थी। जिससे इस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सही हो सके, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। स्थिति जस की तस बनी हुई है।

जानकारी अनुसार संबंधित विभाग और जिला प्रशासन का दावा है कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारा जाएगा। इसके लिए रणनीति बनाने के साथ कई बदलाव भी किए जाते है। नेशनल हाईवे 30 बनने के बाद शहर के अंदर से भारी वाहनों का प्रवेश भी ना के बराबर हो गया है। वहीं दूसरी ओर वाहनों की पार्किंग के लिए भी बनाए गए नियम सिर्फ कागजों तक ही सीमित दिखाई देते है, शहर के हालात अब भी पुराने हैं। बाजारों में जाम की स्थिति है। बाजार स्थल में वाहनों के लिए पार्किंग ना होने से आमजनों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नगरपालिका और यातायात पुलिस एक, दूसरे पर इसकी जिम्मेदारी डाल कर पल्ला झाड़ लेते है, लेकिन सच्चाई यह है कि जिला मुख्यालय मंडला के बाजार को प्रतिदिन हजारों दोपहिया और चौपहिया वाहनों का बोझ सहन करना पड़ रहा है। जिससे बाजार में आने वालों की समस्या बढ़ रही है।

बताया गया कि बाजार में मोटर साइकिल की अव्यवस्थित पार्किंग से निपटने के लिए विगत एक पखवाड़े पहले यातायात पुलिस और नगरपालिका मंडला द्वारा पहल करते हुए चौपाटी से लेकर पूरे बाजार स्थल में मार्किंग कराई गई थी। यातायात पुलिस और नगरपालिका द्वारा बाजार में प्रतिष्ठानों एवं दुकानों के सामने खड़े होने वाले टू व्हीलरों के पार्किंग के लिए मार्किंग की गई। इसके साथ ही दुकानदारों को समझाईश दी गई कि अपने प्रतिष्ठानों में आने वाले ग्राहकों की पार्किंग लाइन के अंदर एवं व्यवस्थित पार्किंग कराएं। जिससे बाजार स्थल में यातायात व्यवस्था सुव्यवस्थित बनी रहे, लेकिन मार्किंग के एक दो दिन बाद ही मार्किंग तो गायब हो गई और इसके साथ ही यातायात और नगरपालिका द्वारा दिए निर्देश फिर सड़कों में नजर आने लगे।

यातायात व्यवस्थित करने सख्ती की जरूरत

बताया गया कि स्थानीय प्रशासन को जिला मुख्यालय के बाजार स्थल में पार्किंग की उचित व्यवस्था बनाने की जरूरत है। बाजार स्थल की दुकानों में पर्याप्त पार्किंग स्थल ना होने के कारण दुकान आने वाले लोग वाहनों को मार्ग तक खड़ा कर देते है। स्थानीय प्रशासन को बाजार क्षेत्र में वाहनों को खड़ा करने के लिए उचित प्रबंधन के लिए सख्ती से दिखाने की जरूरत है। बड़ चौराहा से कोतवाली मंडला तक सड़क चौड़ीकरण किया जा रहा है, जिससे तीज, त्यौहार और साप्ताहिक बाजार के दिन जाम समेत अन्य परेशानी का सामना आमजनों को ना करना पड़े। मार्ग का चौड़ीकरण हो चुका है, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

वैश्य महासम्मेलन का भोपाल में बन रहा पांच मंजिला विशाल भवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विगत दिवस मण्डला की प्रतिष्ठित होटल उत्सव रेस्टोरेंट कटरा रोड मंडला में वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की मंडला इकाई की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिलाध्यक्ष नितिन राय ने बताया वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश महामंत्री संदेश जैन, संभाग अध्यक्ष संजय साहू और वरिष्ठ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामजी अग्रवाल की सहभागिता और नेतृत्व में उपरोक्त बैठक आयोजित हुई। सभी अतिथियों का स्वागत, तिलक वन्दन के साथ स्वल्पाहार के पश्चात बैठक प्रारंभ हुई। प्रदेश महामंत्री संकेत जैन ने कहा- मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है जिसमे 50000 से ज्यादा सदस्य जुड़े हुए हैं। जिसकी कार्यकारिणी हर जिला, विकासखंड, तहसील और ग्राम पंचायत अर्थात शहर हो या ग्रामीण सभी क्षेत्र के लोग जुड़े हुए हैं। और ये हम सबके लिए बड़े गर्व की बात है मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 18 करोड़ रुपए राशि की लागत से पांच मंजिला बड़ा भवन का निर्माण किया जा रहा है। जिसका लाभ सभी सदस्यों को मिलेगा। जिसमे सभी सदस्यों के सहयोग से 13 करोड़ की राशि एकत्रित हो चुकी है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है संभवतः अगले वर्ष तक उद्घतान भी हो जाए। शेष राशि हेतु हम सबको एकजुट होकर प्रयास किए जाने की जरूरत है।

संभाग अध्यक्ष संजय साहू ने कहा- अब मण्डला जिला की कार्यकारिणी के कुछ रिक्त पदों की पूर्ति कर सबके सदस्यता फॉर्म आजीवन सदस्यता राशि भी प्रदेश कार्यालय में जमा किया जाना है। वैश्य महासम्मेलन के कैलेंडर में प्रकाशित हर जानकारी का अध्ययन सबको करना चाहिए। हर माह के तय कार्यक्रम हेतु अलग-अलग प्रभारी बनाया जाना जरूरी है।

जिला सचिव रंजीत कछवाहा ने उपरोक्त बैठक का संचालन किया उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा- आगामी समय में मण्डला में प्रदेश स्तरीय बड़ी बैठक के आयोजन किए जाने की मंशा है। जिसमे पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों की सहभागिता रहेगी और हमारा संगठन मण्डला जिला में समाजसेवा के क्षेत्र में बड़ा संगठन बनकर उभरे मंडला के 9 विकासखंड से 900 सदस्यों को आगामी तीन वर्षो में जोड़कर समाजसेवा के कार्यों में एकजुट होकर हर माह मिलकर समाजसेवा के क्षेत्र में हर विकासखंड में नियमित मासिक कार्यक्रम आयोजित करते रहें ऐसी योजना है।

उपरोक्त बैठक में संरक्षक- सुधीर कसार, कोषाध्यक्ष- सुदीप ब्रजपुरिया, जिला महामंत्री- जगदीश राय, युवा नगर अध्यक्ष- अजिताभ राजा मोदी, उपाध्यक्ष- बब्बल खरया, मंत्री- ब्रजेश चौरसिया, मंत्री -अशोक सोनी भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

प्रयागराज से कलाकारों द्वारा कान्हरगांव में किया जा रहा रामलीला मंचन ने ग्रामीणों का मन मोहा

गाडरवारा। भले ही इस भौतिकवादी युग में गांव गांव होने वाले नाटक व अन्य प्रकार के प्रदर्शन का स्थान छोटे पर्दो ने ले लिया गया है। मगर जब कलाकारों द्वारा किसी भी कार्यक्रम का मंचन किया जाता है तो पुराने समय की यादे ताजा होने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव में देखने मिल रही है। जहां पर पिछले कुछ दिनों से शंकर मंदिर के पास श्री सीताराम धर्म प्रचारक रामायण रामलीला मंडल प्रयागराज (उत्तरप्रदेश) महंत अभय शंकर पाठक एंव उनकी समस्त टीम द्वारा बड़े ही सुंदर स्वरूप में भगवान राम कि लीलाओं का वर्णन सुनाते हुये जिस तरह रामलीला का मंचन किया जा रहा है उसके चलते प्रतिदिन रात के समय लोगों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है। बताया जाता है कि प्रयाग राज से आये हुये कलाकारों द्वारा बड़े मन मोहक ढंग से रामलीला की प्रस्तुति दी जा रही है।कार्यक्रम को देखने के लिए महिला पुरूष आसपास के ग्रामों के लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे है। रामलीला के संचालक महंत अभय शंकर पाठक ने बताया कि हमारा रामलीला मंडल पिछले 8 बर्षों से इस तरह रामलीला का मंचन शहरों से लेकर गाव-गाव पहुंचकर पूर्णरूप से निःशुल्क करते चला आ रहा है। मगर जिस गांव में भी जब हम पहुंचते है तो वहां के लोगों का स्नेह व सहयोग हमारे इस रामलीला के मंचन को चार चांद लगाने से नही चूकता है। इस आयोजन के माध्यम से हम सनातन धर्म के प्रति लोगों को जागरूक करते हुये उसकी रक्षा का संदेश देना होता है।

अज्ञात कारणों के चलते लगाई फांसी, पुलिस जांच में जुटी

खुलरी। ग्राम खुलरी में सनसनी का महौल उस समय निर्मित होने से नही चूका जब ग्राम ही निवासी आशीष विश्वकर्मा उम्र लगभग 50 वर्ष को अपनी ही दुकान के अंदर फांसी के फंदे पर झूलते हुये देखा गया। अपने परिवार का भरण पोषण करने वाले एक मात्र सहारा माने जाने वाले व्यक्ति द्वारा अपनी ही दुकान के अंदर इस तरह की गई फांसी लगाकर आत्महत्या की खबर जब गांव में फैली तो लोगों का उनके घर के पास हुजूम लगने से नही चूक पाया। वही घटना की सूचना जब समीपस्थ सिहोरा चौकी पुलिस को दी गई तो मौके पर पुलिस ने पहुंचकर मृतक आशीष विश्वकर्मा के शव का पंचनामा बनाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। इस तरह आशीर्ष द्वारा अपनी जिन्दगी को समाप्त करने के लिये उठाये गये कदम के पीछे छिपे हुये कारणों का अभी किसी तरह का खुलासा नही हो पाया है। वही इस संबंध का पुलिस का कहना है कि मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लिया गया है। घटना के पीछे छीपे सही कारणों का पता किया जा रहा है। सच्चाई का पता तो जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा।

मूक जीवों को गर्मी से राहत दिलाने में अहिम साबित हो रही गंदगी से भरी हुई नालियां

सांईखेड़ा। इस समय जिस प्रकार से दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में गंदगी का आलम देखने मिल रहा है उसके चलते लोगों का सांस लेना मुश्किल होने से नही चूक पा रहा है, क्योंकि नगर की नालियों की सफाई नही होने के कारण वह चोक पड़ी हुई है, जिनमें भरा हुआ गंदा पानी से निकलने वाली दुर्गन्ध के चलते नगरवासी सांस नही ले पा रहे है जिसके चलते लगातार मच्छर पैदा होने से रात के समय नगरवासी आराम से नींद लेने में भी परेशान होने से नही चूक रहे है, मगर वही दूसरी ओर लगातार आवाज उठाये जाने के बाद भी नपा द्वारा इन नालियों की सफाई की ओर ध्यान नही दिये जाने से यह नाली इस समय उन मूक जानवरों के लिये सुखदायी साबित होते हुये दिखाई देने से भी नही चूक पा रही है जो इस समय पड़ रही भीषण गर्मा के चलते इन नालियों में बैठकर गर्मी से राहत महसूस करते हुये देखे जा रहे है, इस बात की सच्चाई बीते दिवस नगर के अंदर एक नाली में भरे हुये गंदे पानी में कुत्ता द्वारा आराम से बैठकर ठंडक का अहसास लेने से नही चूक रहा था।

पानी टंकी क्षेत्र में लगने वाली दुकानों से यातायात व्यवस्था प्रभावित

आवारा गर्दी करने वालों के चलते आमजन का निकलना हो रहा मुश्किल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि नगर विकास को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा द्वारा किये जा रहे प्रयासों के चलते नगर की सड़को का जहां चौड़ी करण होते हुये देखा जा रहा है तो दूसरी ओर कालोनियों से लेकर अन्य जगहों पर हो रहे जरूरी निर्माण कार्यो के चलते शहर की सूरत बदलते हुये देखी जा रही है। मगर अतिक्रमण कारियों द्वारा नगर की सुन्दरता को जिस तरह से ग्रहण लगाया जा रहा है उसको लेकर शासन प्रशासन की उदासीनता पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है। नगर के मुख्य मार्गो से लेकर चौराहों का हाल यह बना है कि जिसकी मर्जी होती है वह वहां पर अपना ठेला खड़ा करते हुये दुकानदारी करना शुरू कर देता है। इस स्थिति में नगर की यातायात व्यवस्था तो चौपट होते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर मुख्य मार्गो पर आवारा गर्दी करने वालों के चलते मुख्य मार्गो से आम लोगों का निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है। नगर की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शहर का पानी टंकी क्षेत्र संपूर्ण नगर के लिये प्रमुख माना जाता है। क्योंकि इसी क्षेत्र में नगर पालिका परिषद स्थित होने के चलते हर व्यक्ति का यहां पर आना जाना लगा रहता है। तो दूसरी ओर नगर के मुख्य बाजार को पहुंचने के लिये यही प्रमुख मार्ग होने के साथ साथ भारतीय स्टैट बैक की मुख्य शाखा इसी क्षेत्र में होने के कारण यहां पर दिन भर चहल पहल का महौल तो बना ही रहता है। क्योंकि इसी मार्ग से लोगों को जहां पुलिस थाना, न्यायालय सहित नगर के अनेक स्कूलों के लिये आना जाना करना पड़ता है। वही दूसरी ओर नगर पालिका द्वारा यहां पर बनाये नये काम्पलेक्स पुराना कामर्थ काम्प्लेक्स स्थित होने के कारण पानी टंकी क्षेत्र नगर का प्रमुख स्थानों के रूप में गिना जाने लगा है। मगर बीते हुये कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि पानी टंकी से मुख्य बाजार जाने वाले मार्ग के किनारे जिस तरह से अनेक प्रकार की दुकाने सजते हुये देखी जा रही है उसके चलते नगर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होने से नही चूक रही है। शाम चार बजे से तो यहां पर हालत इस तरह बन जाते है कि आम लोगों का वाहन लेकर निकलने की बात तो दूर पैदल निकलना मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी का सामना उन महिलाओं को करना पड़ता है जो अपने किसी काम से यदि बाजार जाने की सोच के चलते घरों से निकलती है तो उन्हें पानी टंकी क्षेत्र में सड़क किनारे लगने वाली दुकानों के चलते मुख्य मार्ग पर खड़े रहने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहनों के कारण पैदल निकलने में परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है। दूसरी ओर सड़क किनारे अस्थाई रूप से अतिक्रमण करते हुये लगने वाली इन दुकानों पर खड़े रहने वाले मनचलों की आवारा गर्दी तथा की जाने वाली छिटाकशी का सामना करते हुये देखा जाता है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस क्षेत्र में बीते हुये कुछ समय से देखा जा रहा है कि जिस तरह आवरा तत्वों सहित शराब के नशे में मस्त होकर आंतक मचाने वालों का बोल बाला देखा जा रहा है। उनकी हरकतों से आमजन तो परेशान होते हुये देखा ही जा रहा है दूसरी ओर इन तत्वों द्वारा आये दिन यहां पर स्थाई रूप से स्थापित दुकानों पर पहुंचकर सामग्री लेने के बाद पैसा देने के नाम पर गाली गुप्ता करते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है? इस स्थिति में देखा जावे तो पानी टंकी क्षेत्र में आवारा तत्वों द्वारा की जा रही आवारा गर्दी के चलते शहर की शांतिप्रिय माने जाने वाली प्रतिष्ठा को ग्रहण लगने में कोई कसर बाकी नही रहे रही है? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कुछ माह पहले नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा इस तरह सड़क किनारे लगने वाली इन अस्थाई दुकानों को लेकर नालंदा भवन के परिसर में लगाने की जोर शोर से तैयारियाँ की गई थी। क्योंकि नगर का पुराना नालंदा भवन जहां नगर पालिका की संपत्ति होने के कारण इस परिसर में काफी जगह उपलब्ध होने के कारण हाथ ठेला पर लगने वाले इन दुकानों को नालंदा भवन के परिसर में स्थापित किये जाने की योजना का नगरवासियों द्वारा सराहना करते हुये कहा जा रहा था कि नगर पालिका द्वारा यह बहुत अच्छा निर्णय लिया गया है कि नगर के पानी टंकी क्षेत्र में मुख्य मार्ग किनारे लगने वाली इन दुकानों को नालंदा भवन परिसर में स्थापित कर दिया जावेगा तो निश्चित तौर से यातायात व्यवस्था में काफी सुधार देखने मिलेगा। मगर पता नही नगर पालिका द्वारा बनाई गई इस कार्य योजना को अचानक कैसे ग्रहण लग गया जिसके चलते यह अस्थाई रूप से लगने वाली दुकाने नालंदा परिसर की जगह मुख्य सड़क किनारे लगना शुरू हो गई जो यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने के साथ साथ आवारा गर्दी करने वालों का मुख्य अड्डा बनने से नही चूक रही है? कही ऐसा तो नही की नालंदा भवन परिसर पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा अपने स्वार्थ सिद्व करने की सोच को लेकर काली छाया का प्रकोप मडराने लगा है? जिसके चलते नगर पालिका प्रशासन द्वारा सड़क किराने लगने वाली इन दुकानों को नालंदा स्कूल परिसर में स्थापित करने की कार्य योजना पर विराम लगाने के लिये मजबूर होना पड़ा है? खैर सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने। मगर नगर के लोगों द्वारा नगर पालिका प्रशासन के साथ साथ क्षेत्र की समक्ष अधिकारियों के आलवा पुलिस प्रशासन से मांग की जा रही है कि पानी टंकी क्षेत्र में सड़क किनारे लगने वाली इन दुकानों को नालंदा परिसर में स्थापित कराया जावे। क्योंकि इन दुकानों के चलते मुख्य मार्ग पर खड़े होने वाली वाहनों से यातायात व्यवस्था तो प्रभावित हो ही रही है। वही दूसरी ओर आवारा गर्दी करने वालों के चलते इस मार्ग से महिलाओं का निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है।

जर्जर होते हुये चली जा रही पुलिया की ओर नही दिया जा रहा ध्यान, किसी दिन बड़ी घटना का कारण बन सकती है पुलिया

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब किसी क्षेत्र में अच्छी सड़क की स्वीकृति प्रदान करते हुये सड़क निर्माण के लिये शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च किया जाता है तो उस क्षेत्र के लोग खुशी के मारे फूल नही समाते है। मगर शासन करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुये बनाई जाने वाली सड़को का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा जिस प्रकार से सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता अपनाई जाती है उस समय किसी भी जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिलता है कि वह सड़क निश्चित ही चंद दिनों में ही अपनी गुणवत्ता की कहानी खुद ही बताने से नही चूकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गाडरवारा से उदयपुरा होते हुये प्रदेश की राजधानी जाने वाले स्टैट हाईवे स्तर के मार्ग पर भी आसानी से देखने मिल रही है। क्योंकि बीते हुये कुछ वर्ष पहले जब ग्राम पिठहरा से उदयपुरा की ओर जाने वाले इस मार्ग पर झिकोली के पास नर्मदा नदी में पुल का निर्माण हो जाने के कारण इस मार्ग की उपयोगिता अपने आप ही बढ़ गई थी। इसी के चलते इस मार्ग को प्रदेश स्तर के मार्ग में शामिल करते हुये शासन द्वारा करोड़ो रूपया की राशि खर्च करते हुये इस मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया था, मगर इस मार्ग का निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा सड़क निर्माण के दौरान वर्षो पुरानी पुलिया को पुनः निर्माण करने की जगह उसी पुलिया के ऊपर से सड़क का निर्माण करने में कोई कसर छोड़ी गई थी। इस सच्चाई को लेकर लगातार उस समय आवाज उठाये जाने के बाद भी संबंधित अधिकारियों से लेकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि गाडरवारा सांईखेड़ा के बीच ग्राम पिठहरा के समीप हेदर शुगर मिल के पास वाली यह पुलिया लगातार जर्जर स्थिति में पहुंचते हुये दिखाई दे रहे है। इस संबंध में कुछ समाज सेवियों द्वारा बीते हुये कुछ वर्ष पहले तत्कालीन जिला कलेक्टर को एक आवेदन देते हुये इस ओर ध्यान आकर्षित कराने का प्रयास भी किया गया था। मगर इसके बाद भी लगातार खस्ता हाल स्थिति में पहुंचते हुये दिखाई दे रही इस पुलिया की ओर ध्यान नही दिया गया।

क्षेत्र में करोड़ों की राशि से बनी हुई नहरें साबित हो रही अनुपयोगी, जरूरत के समय नही छोड़ा जा रहा पानी, किसानों के खेतों में गन्ना सहित मूंग फसल को पड़ रही इस समय सिंचाई की जरूरत

हरिभूमि न्यूज/खुलरी।

सरकार द्वारा किसानों को सुविधाएं प्रदान करने के लिये किसी योजना के नाम पर यदि करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है और उन सुविधाओं का जब जरूरत पड़ने पर उपयोग न हो सके तो निशितच वह मात्र दिखावा साहित होने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में बनी हुई और क्षेत्र में बनी हुई नहरे मात्र शोभा की सुपारी साबित होने से नही चूक पा रही है? क्योंकि जिस प्रकार से कुछ वर्ष पहले शासन द्वारा क्षेत्र में किसानों की भूमि का अधिग्रहण करने के साथ साथ करोड़ो की राशि खर्च करते हुये नहरों का निर्माण कराया गया था तो क्षेत्र के किसानों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि अब उन्हें अपने खेतों में सिंचाई करने के लिये पानी की समस्या से नही जूझना पड़ेगा। मगर क्षेत्र के किसानों की यह सोच मात्र एक सपना साबित होने से इसलिये नही चूक पा रही है। क्योंकि जब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने का समय आता है तो बरगी नहर प्रबंधन द्वारा नहरों में पानी ही नही छोड़ा जाता है, जिसके चलते करोड़ो की राशि से बनी हुई क्षेत्र की यह नहरे जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रही है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय देखा जा रहा है कि पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान किसानों के खेतों में लगी हुई गन्ना व मूंग फसल को पानी देने की जरूरत पड़ रही है। वही दूसरी ओर जिन किसानों द्वारा अपने खेतों में मूंग फसल की गई है उसमें भी पानी देने की जरूरत होने के कारण किसान अपने खेतों में बने हुये नलकूपों के भरोसे तो सिंचाई कर रहे है मगर इस समय जहां जमीन का जल स्तर नीचे की ओर गिर जाने के कारण किसानों के नलकूप पर्याप्त मात्रा में पानी नही दे पा रहे है। क्योंकि इस समय भले ही सरकार से लेकर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने की बात कही जा रही हो मगर सच्चाई गांवों में देखने मिल रही है जहां पर क्षेत्र के किसान दिन रात करते हुये अपने खेतों में डेरा जमाय रहे है जिन्हें मुश्किल से चार पांच घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इस स्थिति में निश्चित तौर से किसानों के खेतों में लगी हुई फसलों को पानी नही मिलने से वह खराब होते हुये दिखाई देने लगी है। मगर इस दौरान भी इन नहरों से पानी नही छोड़ा जाना निश्चित तौर से इन नहरों के महत्व को समाप्त करने से नही चूक पा रहा है? यदि इन नहरों में पानी छोड़ दिया जावे तो निश्चित ही जहां क्षेत्र के किसानों की फसलों को पानी मिल सकता है। वह दूसरी ओर जमीन के गिरते हुये जल स्तर में भी सुधार आ सकता है। इस स्थिति में क्षेत्र में बनी हुई करोड़ो की लागत की नहरे क्षेत्र के किसानों के लिये औचित्य हीन साबित होते हुये जान पड़ रही है। वही दूसरी ओर क्षेत्र में बनाई गई इन नहरों के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निश्चित ही विभाग की उदासीनता के चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इन नहरों का निर्माण कार्य किया गया है उसके चलते लगातार टूटते हुये दिखाई दे रही है जिससे क्षेत्र की नहरे अपने निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी के साथ साथ उन अधिकारियों की कार्य प्रणाली को भी उजागर करने से नही चूक रही है जिनकी देख रेख में इन नहरों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया था? क्योंकि जहां शासन द्वारा नहरों के निर्माण के लिये क्षेत्र के सैकड़ो किसानों की भूमि अतिग्रहण करते हुये करोड़ो की राशि खर्च कर क्षेत्र में नहरों का निर्माण कराया गया है, मगर इस समय क्षेत्र के किसानों को जरूर पड़ने पर पानी नही छोड़े जाने के कारण क्षेत्र के किसानों के लिये यह नहरे अनुपयोगी साबित होते हुये दिखाई देने लगी है। क्योंकि जरूरत के समय यदि किसानों को इन नेहरों का लाभ नही मिल पा रहा है तो फिर क्षेत्र में इन नेहरों के बनाये जाने का महत्व अपने आप ही समाप्त हो जाता है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा जिला कलेक्टर से मांग की गई है कि शीघ्रता से ही गाडरवारा तहसील क्षेत्र की नेहरों में पानी छोड़ने के लिये संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये किसानों को इस परेशानी की घटी में सहायता प्रदान कराई जावे जिससे किसान अपनी फसलों को बचाने में सफल हो सके।

श्रीदेव ऋण मुक्तेश्वर शिवधाम मंदिर में हुआ प्रवचन कार्यक्रम, कृष्ण भक्ति ही जीवन मे आगे बढ़ने का मार्ग देता है दिखाई — प्रियांशी तिवारी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से ही जीवन मे आगे बढ़ने मार्ग प्रशस्त होता है और इस कलयुग काल में मानव जीवन को सफल बनाता है। भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएँ द्वापरयुग में अदभुत थी। इस उन्होंने लोगों पर अत्याचार करने के लिये इस पृथ्वी लोक में जन्म लिया और अपने अत्याचारी मामा कंस का वध करके मथुरा वासियों को अत्याचार से मुक्त कराया था। वही महाभारत में अर्जुन को गीता का उपदेश देकर भगवान श्रीकृष्ण कहा कि इस दुनियाँ में कोई कुछ लेकर नही आया है खाली हाथ आया है और खाली हाथ जायेगा। जो हो रहा है वह अच्छा हो रहा है ओर जो होगा वह भी अच्छा होगा हम और आप तो मात्र एक निपत्त है विधि के विधान में जो लिखा है वह अमिट है। व्यक्ति को कल क्या होने वाला है उसको न सोचते हुये अपने कर्तव्य पर ध्यान रखना चाहिये। अच्छे कार्य के लिये किये जाने वाला कोई भी परिणाम निष्फल नही जाता है। उपरोक्त विचार वृंदावन से आईं बाल विदुषी कथा वाचिका प्रियांशी तिवारी ने स्थानीय चंद्रकेशर कॉलोनी के श्रीदेव ऋणमुक्तेश्वर शिवधाम मंदिर में प्रवचन कार्यक्रम में धर्मप्रेमी श्रद्धालुओ के समक्ष व्यक्त किए।इस दौरान उन्होंने आगे कहा कि भगवान कृष्ण द्वारा बाल्यकाल में पूतना वध, कालिया मर्दन, गोवर्धन पर्वत करते हुये सभी को अचरज में डाल दिया गया था। वही अपने मित्र सुदामा जी का प्रसंग आज भी सुनकर मन को प्रफुल्लित कर देता है। इस दौरान उन्होंने कथा में कहा कि हमें श्रीमद भागवत कथा जरूर सुनना चाहिए क्योंकि ये कथा फलदायिनी है। इस कथा के श्रवण से बहुत सी बातें सीखने को मिलती है एवं असीम पुण्य मिलता है। इस कलयुग काल में मानव जीवन को सफल बनाने वाली कथा भगवात कहा ही है।

सालीचौका सहित गाडरवारा में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को किया गया याद

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। संचार क्रांति के जनक, भारत रत्न व देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बीते हुये दिवस सालीचौका में म प्र कांग्रेस महा सचिव मनीष राय(छोटूभैया) सहित नगर के कांग्रेस जनों ने उन्हें याद करते हुये अपने श्रद्वासुमन अपिर्तत किये गये। इस मौके पर राय द्वारा श्रद्धांजलि देतें हुये कहा स्व.राजीव गांधी एक दूरदर्शी व मानवतावादी राजनेता थे, जिनका ह्रदय सदैव भारत के लिए धड़कता रहा।इस मौके पर डा.यतीन्द्र शर्मा, विरेंद्र चौकसे, रामसहाय पटेल अवधेश चौकसे, रेवराम राजपूत,गोलू गुप्ता, सूरज राय,आनंद चौकसे अमर राज पटी शास्वत राय मनमोहन टेलर,भोले टेलर,उत्तम बाथर सहित अन्य लोग मौजूद थें। इसी प्रकार से गाडरवारा की पुरानी गल्ला मंडी में ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्य तिथि के मौके पर उनको याद करते हुये पुष्प अर्पित किये गये। इस मौके पर नगर के वरिष्ठ कांग्रेसनेता एचव्ही रफीक,उमाशंकर दुबे, अनिल साहू, राजीव दुबे, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक कौरव के आलवा जिनेश जैन, ठाकुर शरद सिंह, उमा गुप्ता, विनोद ठाकुर, मुकेश गुप्ता बंटू, बृजेश कुमार अधरुज, सर्वेश्वर पांडे ,मनीष कौरव, शरद साहू, राजदीप दुबे, आयुष जैन, टिंगू राजपूत, अवधेश कौरव झाझनखेड़ा, नित्तु छीपा सहित अन्य लोग मौजूद थें।

||तलाश|| ||तलाश|| ||तलाश||

फरार वारंटी का हुलिया

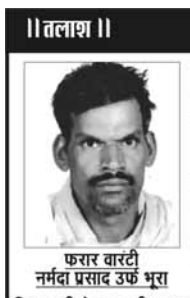
फरार वारंटी
नर्मदा प्रसाद उर्फ भूरा

रंग- सॉवला, ऊँचाई - 05 फीट 07 इंच, चेहरा-लंबा, बोलचाल- स्थानीय हिन्दी, पहनावा- पेंट शर्ट

थाना- गाडरवारा जिला- नरसिंहपुर विवरण- थाना गाडरवारा के अपराध क्रमांक 2099/14 धारा 147, 148, 149, 323, 324, 506 भारतीय दंड विधान के प्रकरण में फरार वारंटी नर्मदा प्रसाद उर्फ भूरा कौरव पिता ताराचंद कौरव उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम कैकरा थाना गाडरवारा जिला नरसिंहपुर की गिरफ्तारी हेतु माननीय न्यायालय गाडरवारा द्वारा 30/07/2021 को स्थाई वारंट जारी किया है। उक्त वारंटी वर्ष 2016 से फरार है। वारंटी की जानकारी मिलने पर निम्नलिखित नंबरों पर सूचना देने पर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय नरसिंहपुर के द्वारा उद्घोषित 10,000 रू. की राशि से पुरस्कृत किया जावेगा।

कृपया मिलने पर निम्नलिखित नंबरों पर सूचना देने का कष्ट करें:-
(1) थाना गाडरवारा- 07791-25488 (2) थाना प्रभारी गाडरवारा- 9479996262 (3) पुलिस कंट्रोल रूम नरसिंहपुर- 07792-232163, 100 (4) एस.डी.ओ.पी. गाडरवारा - 9479996257

खबर संक्षेप

जिला मुख्यालय में हटाया गया अतिक्रमण

अनूपपुर। अतिक्रमण के विरूद्ध मुहिम चलाने के कलेक्टर के निर्देश के बाद मंगलवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह के बैठक के दौरान मुख्य बाजारों पर किये गये अतिक्रमण को हटाने को लेकर जिले भर के सभी नगर पालिका व नगर पंचायत के सीएमओ को आदेशित किया था कि शहर के मुख्य बाजारों से जो दुकानदार सड़क मे दुकान फैलाकर लगाते है या किसी प्रकार का कोई अतिक्रमण किये हुये है उन्हे तत्काल हटाया जाये जिससे आने जाने वाले लोगों या वाहनों को किसी प्रकार से कोई परेशानी न हो, विशेषकर जब मुख्य बाजार से एंबुलेंस गुजरती है तो आये दिन जाम लगता है जिसको लेकर कलेक्टर ने अतिक्रमण हटाने को आदेशित किया था जिस पर नगर पालिका अनूपपुर ने मंगलवार को अपने दल बल के साथ मुख्य बाजार मे फैले अतिक्रमण को हटाया साथ ही सीएमओ अनूपपुर शिवांगी सिंह बघेल ने अनूपपुर नगर पालिका क्षेत्र के सभी व्यापारियों से अपील की है कि सड़कों पर दुकान बढ़ाकर न लगायें और दुकानों के सामने गंदगी न करें। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार गौरीशंकर शर्मा, कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन, सब इंस्पेक्टर संजय खलको, स्वच्छता निरीक्षक डीएन मिश्रा, नगर पालिका के राजस्व निरीक्षक रमेश नापित, राकेश पाण्डेय, गौरव सिंह, पटवारी रूपनारायण प्रजापति व नगर पालिका के अतिक्रमण हटाओ दल मौजूद रहा।

शबनम मौसी के मंदिर के स्पीकर हुए खामोश, टीआई ने की त्वरित कार्यवाही

अनूपपुर। प्रगतिशील लेखक संघ के अध्यक्ष गिरीश पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि शबनम-मंदिर के स्पीकर सुबह और शाम दोनों वक़्त 3 - 4 घंटे तेज आवाज से बजते रहते थे, जिससे जिला अस्पताल, शैक्षणिक संस्थाओं और अध्ययन रत विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था । इस संबंध में समाचार पत्रों के माध्यम से ध्यानाकर्षित करते हुए प्रशासन से अपील की गई थी कि ध्वनि प्रदूषण एक्ट के तहत इन पर कार्यवाही कर इन्हें बंद करायें किंतु प्रशासन ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। तब पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पल्लविका पटेल, गणेश गुप्ता, नर्मदा मिश्रा और गिरीश पटेल ने थाना अनूपपर में लिखित आवेदन देकर कार्यवाही की माँग की। टीआई अनूपपुर ने इस मसले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और दूसरे ही दिन से स्पीकरों को खामोश करवा दिया।

समस्याओं से जूझता डिंडौरी नगर, जिले के गांवों का नहीं किया गया नियोजित विकास

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। मध्यप्रदेश के अंतिम छोर और छत्तीसगढ़ की सीमा में बसे डिंडौरी जिला विकास के तमाम पैमानों में पिछड़ा हुआ है, एक तरफ आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है वही दूसरी तरफ डिंडौरी जिला स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार जैसे बुनियादी जरूरतों की दुर्दशा को लेकर आंसू बहा रहा है। जिले की स्थापना हुए भले 25 वर्ष पुरे हो रहें हो लेकिन आज भी जिले का नागरिक मूलभूत सुविधा से वंचित है।

आखिर क्यों है पलायन बड़ी समस्या

जिले में भले ही कृषि भूमि की अधिकता है, लेकिन कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए विशेष रूप से कोई प्रयास नहीं दिखाई दे रहा है । सिचाई के अभाव में जिले की अधिकांश कृषि भूमि पड़त पड़ी रहती हैं, जिले की प्रमुख समस्या पलायन हैं, रोजगार की कमी है, उद्योग धंधे नहीं है, अधिकतर आबादी है वह निरंतर हर वर्ष पलायन करती है, जिनकी वापसी त्यौहार के बाद व त्यौहार के पहले देखी जा सकती हैं, पलायन कैसे रोका जाये इसको लेकर कोई ठोस योजना दूर दूर तक नजर नहीं आती है।

-स्वास्थ्य सुविधा एक बड़ी चुनौती

जिले में स्वस्थ सुविधा को लेकर भी विभिन्न तरह की समस्याए है। आधारभूत संरचना बनाई गई, भवनों का निर्माण किया गया व मशीने भी रखी गई है,लेकिन अभी तक उन भवनों व मशीनों की सुविधा से जिले की आमजनता वंचित है,जैसे चिकित्सकों का पदस्थ न होना, आज भी जिले में पर्याप्त सर्जन नहीं है, विशेषज्ञ नहीं है, विभागों में पर्याप्त कर्मचारी नहीं है, जिसके अभाव में जिलेवासियों को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए जनता त्रस्त

हर घर नल, हर घर जल योजना का उद्देश देश के प्रत्येक ग्रामीण इलाको के हर घर में स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना है, परंतु जिले का दुर्भाग्य है की शासन की विकासशील योजना का क्रियान्वयन सही ढंग से नहीं हुआ, जिम्मेदार हाथ में हाथ धर बैठे रहे और ग्रामीण अपनी माँगो को लेकर चक्का जाम करते रहते हैं इस तरह के अनेको मामला सामने आ चुके

हैं। जिले में आरोप है कि अनेको ग्रामीण इलाके ऐसे है, जहां कार्य तो नहीं हुआ लेकिन ठेकेदारो को भुगतान पूरा हो गया। जिले में जब तक आधारभूत संरचनाओ का विकास नहीं किया जावेगा तब तक शिक्षा व्यवस्था में सुधार संभव नहीं है। बच्चे विद्यालय जाते है, परंतु विद्यालय भवन की कमी के कारण उन्हें शिक्षा प्राप्त करने में काफी कठिनाइयो का सामना करना पड़ता है,परंतु उनमे शैक्षणिक व्यवस्था को अभी तक बहाल नहीं किया जा सका जिस वजह से भी बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे है, यदि इन सब चीजो को दूर किया जा सके तो शिक्षा व्यवस्था निश्चित तौर पर जिले में सुधारी जा सकेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने की थी घोषणा

विधान सभा चुनाव के दौरान प्रचार करने पहुँचे पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने पलायन की समस्या दूर करने हर परिवार एक रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की थी अब देखना यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री की मंशा को वर्तमान मुख्यमंत्री किस लहजे में लेते है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिंता जाहिर की थी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिनों पूर्व बजट बाद वेबिनार में शहरी योजना, विकास और स्वच्छता विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने देश के शहरों जिलो को संवारने पर जोर देते हुए कहा कि आजादी के बाद से शहरों के विकास को प्राथमिकता नहीं दी गई। यह स्पष्ट भी है। एक-दो शहरों, जिलो को छोड़ दिया जाए तो कोई भी शहर जिला ऐसा नहीं, जिसका नियोजित तरीके से विकास किया गया हो। नतीजा यह है कि लगभग सभी शहर, जिला अनियोजित निर्माण और बेतरतीब योजनाओं के कारण आबादी के बोझ तले कराह रहे हैं। इन शहर जिला में रहने वाले बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझते रहते हैं।

प्रधानमंत्री ने शहरी विकास के मानकों के लिए इस साल के बजट में 15,000 करोड़ रुपये की प्रेरक धनराशि के प्रविधान का उल्लेख करते हुए यह सही कहा कि अमृतकाल के लिए जो लक्ष्य रखे गए हैं, वे तभी पूरे होंगे, जब देश के शहर सही तरीके से विकसित और कुशलतापूर्वक प्रबंधित होंगे। कुशल प्रबंधन सिर्फ यातायात, पानी या बिजली की व्यवस्था ठीक करने से ही नहीं होगा, बल्कि रहन-सहन का स्तर सुधारने से भी होगा। प्रधानमंत्री ने शहरी नीति नियंताओं का आवाहन किया कि वे शहरों के नियोजन में निजी क्षेत्रों के अनुभवी लोगों का भी सहयोग लें। उन्हें ऐसा इसलिए कहना पड़ा, क्योंकि नगर निकायों और और शहरी विकास से जुड़ी अन्य एजेंसियां अभी अपना काम सही तरह नहीं कर पा रही हैं।

विकासखंड करंजिया के ग्राम नारीग्वारा में रोका गया बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। आज विकासखंड करंजिया अंतर्गत ग्राम पंचायत नारीग्वारा में बाल की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर कार्यवाही करते हुए महिला बाल विकास विभाग एवं पंचायत विभाग द्वारा ग्राम में हो रहे बाल विवाह को रोका गया। बताया गया कि लड़की की उम्र जन्म प्रमाण पत्र एवं आठवीं की अंकसूची के आधार पर 15 वर्ष 7 माह तथा लड़के की उम्र लगभग 18 वर्ष पाई गई है। जिन्हें संयुक्त टीम के द्वारा परिवार को समझाइश देकर समझाया कि विवाह के लिए लड़की की आदर्श आयु 18 वर्ष और लड़के की आदर्श आयु 21 वर्ष है। समझाइश के बाद परिवार के सदस्यों ने सहमति से निश्चय किया कि आदर्श आयु में ही विवाह संपन्न करेंगे। जिला प्रशासन लगातार बाल विवाह रोकने के लिए सार्थक प्रयास कर रहा है। बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त होने पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, जनपद पंचायत और राजस्व विभाग के संयुक्त अमले ने बाल विवाह के बारे में वर वधु के माता पिता को समझाया, समझाइश के साथ ही ये भी बताया गया कि बाल विवाह करना और करवाना एक कानूनी अपराध है, बाल विवाह करने वालों के समस्त शासकीय लाभ पर प्रतिबन्ध लग जाता है, समझाइश के बाद दोनों पक्ष ने सहमति के साथ विवाह योग्य आयु होने पर ही विवाह करने का लिखित वचन दिया, जिला प्रशासन की तत्परता के फलस्वरूप बाल विवाह रोकने में सफलता प्राप्त हुई।

बारिश में बिगड़ती स्थिति की पहले से प्रशासन करें तैयारी

30 जून से पहले नगर की स्थिति सुधारने अधिवक्ता ने कलेक्टर को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। नगर पालिका के 15 वार्ड में से कुछ वार्ड ऐसे हैं जहां पर हर वर्ष बारिश के दिनों में जलप्लावन की स्थिति बनती है। नाले-नालियों का पानी सड़क पर भरने के साथ ही घरों तक पहुंचता है। सम्यक ने आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए शहर में करीब 24 स्थानों पर नाले-नालियों की सफाई कराने की कार्य योजना बनाने जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है। जिससे अगली बारिश में लोगों को बीते वर्ष की तरह मुसीबतों का सामना न करना पड़े। सम्यक ने पत्र में जिक्र किया है की नगर में अधिकांश नाले बढ़ते अतिक्रमण और उनमें लगातार कचरा-मलबा फिकने से संकीर्ण हो गए हैं। नालों से पानी निकासी बाधित है। नगर की अधिकांश नालियां भी कचरा-मलवा फिकने से बंद सरीखी हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी यदि बारिश से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई बीते वर्षों जैसे लोगों को आगामी बारिश में फिर से समस्याएं झेलने की नौबत बनेगी।

-जिला चिकित्सालय के सामने बनाई जाए पुलिया शहर में जल भराव की स्थिति मुख्य रूप से जिला चिकित्सालय के सामने बनती है। जहां व्यापारियों से लेकर आम उपभोक्ता भी परेशान रहते हैं। थोड़ी सी अधिक बारिश होने पर मुख्य मार्ग में घूटने तक पानी भर जाता है। जिसे निकलने में घंटो का समय लगता है। इस दौरान मार्ग में आने वाले व सड़क किनारे दुकान लगाने वाले व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ता है। पुलिया निर्माण कार्य होने से पानी की निकासी सही ढंग से हो सकेगी जिससे जिला चिकित्सालय भवन के सामने जल भराव की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

-कलेक्टर को दिशा निर्देश जारी करने पत्र में उल्लेखित बिंदु -शहरों के नाले-नालियों के पानी की निकासी के लिए सर्वेक्षण किया जाए और छोटे नालों के बरसाती पानी को बड़े नालों में मिलाने का इंतजाम किया जाएं। -शहर के ऐसे नाले नालियों को चिह्नित किया जाए जिनमें बरसात के पानी का बहाव रुकता है। इनका गहरीकरण कराया जाए। -नालों से अतिक्रमण हटाने के लिए कार्ययोजना पर अमल 30 जून से पहले कराया जाए। -शहर के निचले क्षेत्र के बरसाती पानी की निकासी का इंतजाम किया जाए। -बरसात में सड़ी-गली सब्जियों को नष्ट करने की व्यवस्था की जाए। सब्जी बाजार के निरीक्षण के लिए दल बनें।-बरसात में गंदगी के कारण संक्रामक रोग फैलने की सम्भावना रहती है। इस कारण बारिश में साफ.-सफाई की व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखी जाए।-बरसात में पीने के पानी की व्यवस्था वर्षा ऋतु के पूर्व करना आवश्यक है जिनका प्रयोग योग्य तकनीकी अधिकारी की देखरेख में की जाए।-बरसात में किसी भी स्थिति में मटमैला अथवा अशुद्ध जल का उपयोग ना हो।-होमगार्ड संवेदनशील क्षेत्रों में बारिश के दौरान अपने अमले की तैनाती करें। आपदा प्रबंधन से संबंधित मॉकड्रिल करें। इसी प्रकार बोर्ड्स, रस्सियां एवं राहत संबंधी जरूरी सामग्री की व्यवस्था पुख्ता रखें। -प्रशिक्षित गोताखोरों की सूची संधारित की जाए तथा संबंधित विभागों से इनको साझा करें। -स्वास्थ्य विभाग को बारिश के दौरान सर्पदंशरोधी दवाएँ, इमरजेंसी दवाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाए साथ ही मैदानी अमला बारिश के दौरान फील्ड में रहे।

नशीली वस्तुओं का बढ़ रहा व्यापार, जिले में रोज हो रहा करोड़ो का कारोबार

हरिभूमित न्यूज डिंडौरी। आर्थिक तौर पर अति पिछड़े डिंडौरी जैसे छोटे.जिले में प्रतिदिन करोड़ो रू.का तम्बाखु गुटका खाकर लोग थूँक रहें हैं....यह बात भले ही आपको हजम न हो लेकिन यह कड़वा और अंतिम सत्य हैं....नशामुक्ति के खोखले सरकारी दावों और नारों को किनारे करते हुए वर्तमान में समाज नशा के दल दल में धँसता जा रहा हैं, मोटी राजस्व के चाह में सरकार ने गॉव गॉव गली गली में धीमा जहर बेचने की खुली छूट दे रखा हैं, राजश्री जैसे तमाम तम्बाखु उत्पादों का सेवन करते देखा देखी में नाबालिगों के साथ ही नई पीढी तरह तरह के नषीली वस्तुओं की शौकीन होते हुए नशे की आदी होते जा रही हैं, नशीली वस्तुओं के मकडजाल में लिपटते नई पीढी समाज के लिए चिंता का विषय हैं, एक जमीनी अनुमान के अनुसार डिंडौरी जिले में हर तीसरा और चैथा व्यक्ति नषीली वस्तुओं का शौकीन हैं, जानकारों की बातों पर यदि गौर करें तो 2011 की जनगणना के अनुसार डिंडौरी जिले की कुल आबादी लगभग 7 लाख ऑकी गई थी जो 2021 तक में 10 लाख होने का अनुमान हैं। जिले में राजश्री के शौंकीनों की संख्या अन्य नशीली वस्तुओं के अनुपात में सबसे ज्यादा हैं, गॉव और कस्बों में सबसे ज्यादा राजश्री पान मसाला की खपत हो रही हैं, बडे.बुजुर्गो के साथ ही युवा पीढी और महिलाओं में राजश्री का अच्छा खासा चलन हैं,राजश्री के सेवन में पुरूषों से पीछे महिलाएं भी नही हैं,एक रूपये कीमत से शुरू हुई राजश्री की पाउच अब बड़े पैक में 40-50 रू. में पूरी रफ्तार से बाजार में धूम मचाया हुआ हैं। मोटा मोटी

अनुमानों की माने तो 2 लाख लोग यदि प्रतिदिन राजश्री के एक पैकट की खपत करते हुए 50 रू. खर्च करते हैं तब भी कम से कम एक करोड़ रू. की राजश्री जिले में विक्रय की जा रही है। राजश्री के साथ ही विमल पान मसाला,पान पराग, पान बहार,रजनीगंधा,समेत दर्जनों विरायटी के पान मसाला कंपनिया लुभावने प्रकिृया के तहत कारोबार बढाने में जुटे हुए हैं।

-शराब,गॉजा और सिगरेट की खपत बढी

जिले में पहले बड़े बुजुर्ग ही नशीली वस्तुओं के सेवन का शौंक रखते थे लेकिन तथाकथित विकास के दौर के साथ ही क्या बच्चें,क्या बूढे, छात्र -छात्राओं के साथ महिलाएं भी नशीली वस्तुओं के सेवन में पीछे नही हैं, नषा खोरी बढने का प्रमुख कारण गॉव -गॉव गली - मुहल्लों में संचालित दुकानों में आसानी से उपलब्धता को माना जा सकता हैं, वर्तमान में नई पीढी के युवाओं को चैक चैराहो में सिगरेट के धुएं का छल्ला उड़ाते हुए देखा जा सकता हैं,एक तरफ सरकार द्वारा शराबबंदी और नषामुक्ति अभियान को लेकर करोड़ो रू. खर्च कर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है वही दूसरी और गॉव गॉव में धडल्लें से अवैध शराब मुहैया करा धंधा कराया जा रहा हैं,आसानी से उपलब्धता के चलते आमलोग राशनध्अनाज बेचकर नषा के दलदल में फंसकर गृहस्थी तबाह कर रहैं हैं,गुटका,शराब सिगरेट के साथ ही ग्रामीण सहित शहरी क्षेत्रों में गॉजा का व्यापार चरम पर हैं,गॉजे के कारोबारी जेब में रखकर पुडिया की डिलीवरी ग्राहकों तक पहूँचा रहैं हैं। डिंडौरी जैसै आर्थिक और शैक्षणिक तौर पर पिछड़े क्षेत्र में प्रतिदिन नषीली वस्तुओं के कारोबारी करोड़ो रू. का व्यापार कर मोटी कमाई कर रहैं हैं। नशाखोरी के दुष्प्रभाव भी अब सामने आने लगे हैं,जिले में यकायक कैंसर की रोगियों की संख्या बढ रही हैं,समय रहते ईलाज न होने से आम लोग असमय ही काल के गाल में समा रहैं हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने जिला जेल का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डिण्डौरी सुश्री नीना आशापुरे के द्वारा जिला जेल डिण्डौरी का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश ने जिला जेल डिण्डौरी में निरुद्ध बंदीगणों के रहन-सहन, पेयजल, खान-पान, साफ सफाई, स्वास्थ्य सुविधा, विधिक सहायता आदि विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त कर बंदियों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया, साथ ही उन्होंने जेल में स्थापित पाठशाला, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, डिस्पेंसरी, मुलाकात कक्ष,भंडार कक्ष आदि का भी निरीक्षण किया, इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा बंदियों के लिए शुरू होने वाली टेलीमेडिसिन की प्रगति की जानकारी ली तथा इच्छुक बंदियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कराए जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायाधीश, सचिव उत्तम कुमार डार्वी, जिला विधिक सहायता अधिकारी दिलावर सिंह, जेल अधीक्षक लव सिंह काटिया, जेल स्टाफ एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का स्टॉफ उपस्थित रहा।

एसडीएम शहपुरा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण और महिला बाल विकास की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। जिसमें जनरल वार्ड, दवा वितरण कक्ष, एन.आर.सी भवन पोषण पुर्नवास केन्द्र व स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों के परिवारजनों से हाल जाना। डॉक्टर एवं नर्स को समय-समय पर मरीजों को देखने के निर्देश दिए तथा अस्पताल परिसर को साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। एसडीएम अनुराग सिंह ने महिला बाल विकास की बैठक ली। उन्होंने बैठक के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को वृक्षारोपण करने के संबंध में निर्देशित किया। साथ ही साथ आंगनवाड़ी केन्द्रों के अंतर्गत सामान्य एवं चिन्हित कुपोषित बच्चों का समय-समय पर वजन एवं शारीरिक विकास पर स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला चिकित्सालय समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए अभी से वृक्षारोपण हेतु गड्ढे तैयार कर बरसात के मौसम में पौधे लगाने के निर्देश दिए।

जन अभियान परिषद ने किया जल संरक्षण पर कार्य

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड समन्यव्यक श्री मती मंजुलता राव के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत मोहती के लपटी नदी में प्रस्फुटन समिति के सदस्य शिवकुमार, उपकारदास पिटनिया, सुक्कल सिंह, हरी यादव नवांकुर संस्था से रामकुमार मरकाम, दीपक वर्मे, मेंटर दिलीप बर्मन, महेश सुरेस्वर, सरपंच ग्राम पंचायत मोहती औरर आमजन के के सहयोग से जल संरक्षण को लेकर कच्चा बाँध तैयार किए और नदी की साफ-सफाई की गई।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, बुधवार 22 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मौसम की प्रतिकूलता मूंग और सोयाबीन को करेगी प्रभावित

तेंदूखेड़ा- मसूर चना बटरी से घाटा खा कर बैठे किसानों ने गर्मी मौसम की मूंग और सोयाबीन फसल लगाई है। काफी बड़े भूभाग पर लगी यह फसल काफी अच्छी स्थिति में देखी सुनी जा रही है। लेकिन पिछले दो तीन दिनों से शाम के समय अचानक बिगड रहे मौसम के कारण जहां तेज हवाओं के साथ वारिस होने लगती है उससे खेतों में पकी खड़ी मूंग और सोयाबीन फसल को नुकसान हो सकता है।अधिकांश कृषकों का कहना है कि इस फसल को अब पानी की जरूरत नहीं है। लेकिन जिन खेतों में मूंग और सोयाबीन फसल कटने लगी है उन्हें यह मौसम घातक सिद्ध हो सकता है। तथा जहां फसल तैयार खड़ी हुई है वहां दिन में तेज धूप के कारण फल्ली चटकने लगेगी। गौरतलब रहे कि इस बार रवि मौसम की मूंग और सोयाबीन काफी अच्छी स्थिति में है यदि सही सलामत उपज घर तक पहुंच जायेगी तो निश्चित तौर पर घाटे खाये बैठे कृषकों को काफी राहत मिल जाएगी।

प्रबंध समीति की बैठक संपन्न

तेंदूखेड़ा गत दिवस विकास खण्ड स्तरीय शैक्षिक योजना प्रबंधन समिति की बैठक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी पी एस मराबी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर विकास खंड स्त्रोत समन्वयक सुनील श्रीवास्तव ने सत्र 2024-25 के लिए प्राप्त हुई प्रयास पुस्तिकाओं एवं निशुल्क पाठ्य पुस्तिका के वितरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए जन शिक्षकों से विस्तार से चर्चा हुई। नवीन सत्र में कक्षा 1 में प्रवेश के निर्धारित लक्ष्य, जर्जर भवन की जानकारी, एफ एन एल के अंतर्गत कक्षा 1 एवं 2 के छात्रों की कक्षा उन्नति, आदि विषय पर विस्तृत जानकारी उपस्थिति जन शिक्षको को प्रदान की गयी साथ ही गणवेश वितरण में गलत खाता नम्बर को सुधार कर शीघ्र राशि वितरण की जाये इस अवसर पर समस्त जनशिक्षक उपस्थित थे।

बुजुर्गों को मिली स्वास्थ्य सुविधाएं

नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. राकेश बोहरे के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर पर सोमवार को वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाये गये। इस शिविर में एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत शुगर बीपी, कैंसर की स्क्रीनिंग, मोतियाबिंद हेतु आंखों का परीक्षण, मानसिक स्वास्थ्य सेवायें, हड्डी व दंत रोग, नाक- कान- गला बीमारियों का परीक्षण कर उपचार दिया गया। इसके अलावा मेडिसिन चिकित्सकध्चिकित्सा अधिकारी तथा पेरामेडिकल स्टाफ द्वारा हितग्राहियों की बधिरता के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं एडल्ट बीसीजी वैक्सीनेशन किया गया। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर, सिविल अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में स्थित फिजियोथेरेपी यूनिट के माध्यम से फिजियोथेरेपी की सेवायें दी गई। ग्राम स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्रत्येक नजदीकी स्वास्थ्य संस्था स्तर पर शिविर में ग्रामीणों को लाया गया एवं उन्हें स्वास्थ्य सेवायें दी गई।

पेंशन शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला पेंशन कार्यालय नरसिंहपुर में 21 मई से 24 मई तक विशेष पेंशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

गंभीर आरोपों के बाद भी कार्रवाई नहीं

बीएमओ के विरूद्ध कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्वास्थ्य केन्द्र गोटगांव इन दिनो चर्चा का विषय बना हुआ है । वही लोगो द्वारा जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाया जा रहा है। स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव मे बीते दिनों कर्मचारियों द्वारा शराब पीकर अस्पताल मे हंगामा भी किया गया था उसके उपरांत एएनएम व अन्य कर्मियों द्वारा भी बीएमओं की कार्यप्रणाली को लेकर ज्ञापन सौपा गया था ।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

उसके बाबजूद भी कार्रवाई ना होना चिंता का विषय बनता जा रहा है । लोगों की माने तो राजनीतिक संरक्षण का अंदेशा भी लग रहा है । जिसे लेकर जागरूक लोगो द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई है ।

रप्रताड़ति करने का लगाया आरोप

जिले के बहुत चर्चित बीएमओ डॉक्टर एस एस धुर्वे गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ इन दोनों समाचारों की खूब सुर्खियों में है और लगातार गंभीर आरोप लग रहे हैं रोजाना कुछ ना कुछ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर बीएमओ के कारनामे सामने आ रहे लेकिन जिला प्रशासन द्वारा इन पर किसी प्रकार की कार्रवाई न करना जिला अधिकारी की मेहरबानी नजर आ रही है ज्ञात होवे कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदार्थ समस्त एएनएम महिला कर्मचारी एवं अन्य कर्मचारियों के साथ प्रताड़ति करने के साथ-साथ भ्रष्टाचार गवन एवं अन्य मामलों को लेकर महिला कर्मचारी एएनएम ने पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल को आवेदन के माध्यम से अवगत कराया था एवं बीएमओ को बदले जाने की मांग की थी ।

निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

जबकि जिले में दो दो कैबिनेट मंत्री होने के बावजूद इन सभी मामलों पर अब तक ना तो जिला प्रशासन और ना ही स्थानीय सत्ता शासन में बैठे जनप्रतिनिधियों एवं विपक्ष में बैठे विपक्षी दलों ने अब तक इन अतिसंवेदन शील मामलों पर संज्ञान ना लेना कहीं ना कहीं प्रश्न चिन्ह लगने के साथ-साथ अफसरशाही भी अपने फुल शबाब पर है वहीं अब इस पूरे मामलों में कुछ जागरूक समाजसेवी एवं निडर निष्पक्ष पत्रकारों ने अपना कदम बढ़ाया है और जाकर जिला कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले से मुलाकात करने के उपरांत बीएमओ पर लगे गंभीर आरोपों पर निष्पक्ष कार्यवाही करने हेतु मांग की है वही ज्ञापन में उल्लेखित कर बताया कि प्रिंट अखबार और सोशल मीडिया में खबरों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि गोटेगांव स्वास्थ्य विभाग में बहुत लापरवाही धांधली चल रही है जिस पर कार्रवाई की मांग की गई है।

वित्तीय अनियमित्ता का भी आरोप

यह है कि प्रिंट अखबार के माध्यम से अवगत हुआ है कि गोटेगांव बीएमओ एस एस धुर्वे 10 फर्जी सर्टिफिकेट जारी किया गया है, यह है कि एएनएम महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों ने भी गोटेगांव बीएमओ एस एस धुर्वे की शिकायत की है जिन पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं जिसमें वित्तीय लेनदेन में की अनियमिताएं सामने आई है, यह है कि पूर्व में प्रसूता व नवजात की मौत का मामला, मुख्यमंत्री के नाम जिला अधिकारी सीएमएचओ को पीड़ति पति ने न्याय की गुहार लगाते हुए ज्ञापन सोपा था यह है कि गोटेगांव बीएमओ को निलंबित कर निष्पक्ष जांच की जाए एवं जांच प्रक्रिया में हमें भी शामिल किया जाए इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजसेवी पत्रकारगण उपस्थित थे ।

शिक्षक भर्ती में चयनित मेरिट होल्डरों ने शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

करेली । उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती में चयनित मेरिट सूची जारी हुए 3 माह बीत जाने के बाद भी शिक्षा विभाग द्वारा डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है जबकि उच्च माध्यमिक का रिजल्ट आने के बाद और कई विभागों के परिणाम ई एस बी ने जारी किए हैं उन्हें मुख्यमंत्री मोहन यादव जी द्वारा नियुक्ति पत्र भी दे दिए गए हैं और नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में स्वयं मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि अगले एक हफ्ते के अंदर विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को 15000 नियुक्ति पत्र और दिए जाएंगे लेकिन अभी तक ना तो मुख्यमंत्री का अगला हफ्ता हुआ ना नियुक्ति पत्र दिए ना ही विभाग द्वारा कोई प्रक्रिया शुरू हुई ।चयनित अभ्यर्थियों का कहना है कि हम दो-दो परीक्षा क्वालीफाई करके चयनित हुए हैं चयनितो की मांग है कि तुरंत नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाए ,कई बार डीपीआई आयुक्त को भी ज्ञापन दिया है आज शिक्षा मंत्री उदय प्रताप जी ने आश्वासन दिया है कि आचार संहिता की तुरंत बाद ही आपकी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की जाएगी ज्ञापन देने वाले में निरंजन पारते, राजकुमार लोधी, रितु पटेल ,विष्णु सिंघानिया , समल उईके, मीना श्रीवास्तव ,सोनाली शर्मा शारदा प्रसाद ,भानु प्रताप मनोज, तरुवर पटेल ,राजकुमार पटेल ,लक्ष्मण डेहरियाआदि कई चयनित शिक्षक साथी उपस्थित थे ।

तीन परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित कराई जा रही रूक जाना नही परीक्षा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिले में 3 परीक्षा केन्द्रों पर मप्र राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षायें 20 मई से 07 जून 2024 तक दो पालियों में आयोजित की जा रही हैं। प्रथम पाली प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की जा रही हैं। उक्त परीक्षा मे ऐसे विद्यार्थी सम्मलित हो रहे है जो मुख्य परीक्षा मे फैल हो चुके है जिन्हे आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है । जिला नोडल अधिकारी आशीष दुबे ने बताया कि प्रथम पाली में शासकीय नेहरू उमावि नरसिंहपुर में ओपन स्कूल परंपरागत एवं आ अब लौट चले और रूक जाना नहीं की परीक्षा में हायर सेकेंडरी के 47 परीक्षार्थियों में से 45 विद्यार्थी सम्मिलित हुए, जबकि 2 विद्यार्थी अनुपस्थित पाये गये। शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

नरसिंहपुर में रूक जाना नहीं के तहत हायर सेकेंडरी के 67 परीक्षार्थियों में से 60 सम्मिलित हुए और 7 अनुपस्थित रहे। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में हायर सेकेंडरी के 37 परीक्षार्थियों में से 29 सम्मिलित हुए और 8 अनुपस्थित रहे। इस तरह हायर सेकेंडरी की परीक्षा में तीनों केन्द्रों में 151 परीक्षार्थियों में से 134 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए और 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी तरह दूसरी पाली में शासकीय नेहरू उमावि नरसिंहपुर में ओपन स्कूल परंपरागत की परीक्षा में कक्षा 5 वीं, 8 वीं एवं 10 वीं में कुल 44 परीक्षार्थियों में से 32 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जबकि 12 अनुपस्थित रहे। रूक जाना नहीं के अंतर्गत कक्षा 10 वीं के 118 परीक्षार्थियों में से 108 सम्मिलित एवं 10 अनुपस्थित रहे। शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर में रूक जाना नहीं के तहत कक्षा 10 वीं के 276 परीक्षार्थियों में से 236 सम्मिलित हुए और 40 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में रूक जाना नहीं के तहत कक्षा 10 वीं में 158 परीक्षार्थियों में से 132 सम्मिलित हुए और 26 अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी एचपी कुर्मी एवं जिला परियोजना समन्वयक डॉ. आरपी चतुर्वेदी ने इन परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। जहां परीक्षा विधिवत संचालित पाई गई। इस दौरान केन्द्राध्यक्ष प्राचार्य एमएलबी श्रीमती आशा नेमा, जीएस पटैल, एके चैबे द्वारा परीक्षा संचालन में संकुल अंतर्गत शिक्षकों से सतत सम्पर्क कर परीक्षा केन्द्रों पर विधिवत पर्यवेक्षण कार्य सम्पन्न किया जा रहा है।

मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कौल ने कृषि उपज मण्डी नरसिंहपुर में बनाये गये विधानसभावार स्ट्रांग रूम का निरीक्षण मंगलवार को किया। उन्होंने यहां 4 जून को होने वाली मतगणना की तैयारियों का अवलोकन कर जानकारी ली। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने उन्हें अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले की चारों विधानसभाओं 118- गोटेगांव, 119- नरसिंहपुर, 120- तेंदूखेड़ा व 121- गाडरवारा के स्ट्रांग रूम की सीसीटीव्ही निगरानी 24 घण्टे की जा रही है। इसकी एक स्क्रीन राजनैतिक पार्टियों के पण्डाल में लगाई गई है, जहां से वे इसकी अपडेट देख सकते हैं। इसके अलावा श्रीमती पटले ने मतगणना के लिए लाई जाने वाली ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीनों के मार्ग की वैरिकेडिंग उसकी रिकॉर्डिंग करने की जानकारी भी दी। उन्होंने इस दौरान विधानसभाओं में लगाई जाने वाली मतगणना टेबिल, गणना चक्रों की संख्या,माइक्रो आब्जर्वर, गणना सहायक आदि को भी बताया।श्री राजेश कौल ने यहां स्ट्रांग रूम पंजी का भी अवलोकन किया और यहां की सुरक्षा व्यवस्था से वे संतुष्ट नजर आये। गौरतलब है कि लोकसभा निर्वाचन- 2024 में संसदीय क्षेत्र के मतदान में उपयोग की गई ईवीएम मशीन मतदान पश्चात कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांग रुम में सुरक्षित रखी गई हैं। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, सहायक कलेक्टर शुभम कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नरसिंह जयंती आज, होंगे विविध आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

भगवान नरसिंह का प्राकाट्ध्योत्सव आज 22 मई को विविध धार्मिक- सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा । साथ ही नरसिंह मंदिर में विराजमान पंचमुखी भगवान गणेश जी की मूर्ति के 1 वर्ष पूर्ण होने पर 25 मई को भी उत्सव मनाया जाएगा। 25 मई को भगवान श्री गणेश को 56 व्यंजन का भोग लगाया जाएगा। आयोजन में नगर के कई धार्मिक सामाजिक संगठनो की भागीदारी रहेगी। प्राकाट्योत्सव के दिन 22 मई को मंदिर के तलघरा का प्रवेश द्वारा खुला रहेगा जिससे श्रद्धालु तलघरा में स्थित उस खंब का दर्शन कर पाएंगे जो प्राचीन मंदिर

का मुख्य आधार है। जाट युवा मोर्चा, श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट ने बताया कि 22 मई को नरसिंह प्राकाट्योत्सव कायक्रमों के तहत प्रातः सुबह पांच बजे से रामधुन, आठ बजे से अभिषेक भजन-कीर्तन, दोपहर 1-30 बजे से भंडारा और शाम 4-30 बजे से नरसिंह मंदिर से दुपहिया वाहन रैली निकलेगी । शाम 6-50 बजे महाआरती, भगवान नरसिंह के प्राकाट्योत्सव पर आतिशबाजी एवं प्रसाद का वितरण होगा। कार्यक्रमों में सभी से सहभागिता देने की अपील जाट युवा मोर्चा, जाट महिला सभा, भारत विकास परिषद ,श्री देव नरसिह मंदिर ट्रस्ट्र, श्री मित्र गणेश मंडल, श्री वानर सेना, श्री नरसिंह काली मंडल, श्री मनोकामनेश्वर मंदिर, नरसिंह साहित्य परिषद, रोटरी क्लब, प्रेस क्लब, संकीर्तन समाज, महिला ब्रिगेड आदि ने की है।

खुले आम धुल रहे नर्मदा में बाहन

तेंदूखेड़ा- एक तरफ जहां पुण्य सलिला मां नर्मदा को साफ सुथरा रखने फिर उनके संरक्षण को लेकर अभियान चलाये जाते हैं। वहीं दूसरी तरफ ककरा घाट पर आये दिन बाहनों को धुलना अब आम बात हो गई है।लोग स्नान करने के बहाने पहले सेंपु से अपने बाहन धुलते हैं फिर स्वयं स्नान किया करते हैं।इस घाट पर इनके रोक टोक की कहीं कोई उचित व्यवस्था तक नहीं है।जन आस्था के केंद्र बनें ककरा घाट पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट पर गाडरवारा तेंदूखेड़ा और रायसेन सागर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रत्येक अमावस्या पूर्णिमा या किसी पर्व विशेष को पहुंचा करतें हैं। चूंकि घाट पर किसी भी प्रकार की कोई उचित व्यवस्था सुविधा और संरक्षण ना होने की स्थिति में लोग अपनी मनमानियों पर उतर आते हैं। अनेकों बार घाट की उचित व्यवस्थाओं आवागमन वाहनों की पार्किंग को लेकर होने वाली व्यवस्थाओं को प्रशासन का ध्यान भी आकृष्ट कराया गया लेकिन इस दिशा आज तक कोई उचित पहल ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है।

सी एम राइज स्कूल की फिर जागी उम्मीद

तेंदूखेड़ा- एक ही छत के नीचे कक्षा पहली से बारहवीं तक की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को लेकर शासन द्वारा खोले जा रहे सी एम राइज स्कूल को लेकर तेंदूखेड़ा में विद्यालय को लेकर एक बार फिर से उम्मीद जागी है।सी एम राइज स्कूल के द्वितीय चरण को दृष्टिगत रखते हुए तेंदूखेड़ा के कन्या उच्चतर विद्यालय के प्राचार्य को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय नरसिंहपुर से पत्राचार कर उक्त विद्यालय के लिए आवश्यक संसाधनों के साथ भूमी और उसकी अनुमति संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया है।18मई को जारी हुए इस आदेश के साथ 21 मई तक भूमी अनुमति की जानकारी मांगी गई है।इस भवन के लिए लगभग 6-7 एकड़ भूमि चाही गई है। गौरतलब रहे कि पूर्व में तेंदूखेड़ा में सीएम राइज स्कूल की घोषणा की गई थी बाद में सूचि से भवन नदारत हो गया था। लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी पत्र से एक बार फिर उम्मीद जागी है।यह स्कूल तेंदूखेड़ा में खुलने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

शहीद दिवस के रुप में मनाई गई राजीव गांधी की पुण्यतिथि

तेंदूखेड़ा

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की पुण्यतिथि पूर्व विधायक एवं नर्मदा पुरम संसदीय क्षेत्र से लोकसभा प्रत्याशी संजय शर्मा के तेंदूखेड़ा स्थित निवास पर मनाई गई जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए संचार क्रांति का जनक बताया।इस मौके पर ब्लाक अध्यक्ष ओमप्रकाश पटेल सेठ ज्ञान चंद जैन कमलेश पुजारी राधेश शर्मा देवेन्द्र पटेल अजय शर्मा राजेंद्र पटेल दिनेश जैन जेएल सेन हरिओम वर्मा नीलेश पटेल अंकित पटेल पप्पू शर्मा अनिल वर्मा आकाश राजपूत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।